491-99
5-7-16

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा

कार्यवाही विवरण

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के आयोजना मंडल की 15वीं बैठक दिनांक 30 जून 2016 को मध्यान्ह पूर्व 11.00 बजे, मुख्यालय स्थित समिति कक्ष कुलपति सचिवालय में आयोजित की गई, बैठक में निम्नलिखित सदस्यों द्वारा भाग लिया गया:–

1. प्रो0 अशोक शर्मा
   कुलपति, वमखुविवि,कोटा। — अध्यक्ष
2. प्रो0 जी0 एल0 केशवा
   कुलपति
   कृषि विश्वविद्यालय,कोटा। — सदस्य
3. श्री के0 के0 कौल
   कार्यकारी निदेशक
   श्रीराम फर्टिलाइर्जस, कोटा। — सदस्य
4. डा0 कमल मिश्रा
   प्रतिनिधि
   अतिरिक्त मुख्य सचिव
   उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार,जयपुर। — सदस्य
5. प्रो0 एल0 आर0 गुर्जर
   वमखुविवि,कोटा। — सदस्य
6. डा0 सुरेश चंद्र शर्मा
   कुलसचिव
   वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा। — सदस्य सचिव

माननीय कुलपति महोदय द्वारा उपस्थित सदस्यगणों का सदन से परिचय एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए, आवश्यक गणापूर्ति की सुनिश्चितता के बाद बैठक प्रारंभ करने के निर्देश उपरांत कार्यसूची विवरण में उल्लेखित बिंदुओं पर बिंदुवार विचार विमर्श कर निम्नानुसार निर्णय किए गए:–

15/01 आयोजना मंडल की 14वीं बैठक के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन।

सदन द्वारा आयोजना मंडल की 14वीं बैठक दिनांक 30 अप्रेल 2012 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया।

15/02 आयोजना मंडल की 14वीं बैठक दिनांक 30 अप्रेल 2012के निर्णयों की पालना में की गई कार्यवाही का अनुपालना प्रतिवेदन अवलोकनार्थ।

कार्यसूची विवरण के साथ संलग्न अनुपालना प्रतिवेदन का अवलोकन करने के उपरांत की गई कार्यवाही पर संताष प्रकट किया गया।

15/03 विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान से सम्बन्धित कार्यक्रमों के लिए परामर्श सत्रों हेतु क्लासरूम ,प्रक्टिकल के लिए प्रयोगशाला आदि के लिए अलग से भवन बनवाए जाने का प्रस्ताव।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रस्तावित भवन की आवश्यकता के सम्बन्ध में सदन को बताया कि वर्तमान में विज्ञान संकाय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या अच्छी है तथा यु0जी0सी0 नोमर्स के अनुसार प्रयोगशाला आदि कार्यो हेतु अलग से भवन होना आवश्श्यक है उक्त जानकारी के उपरांत सदन द्वारा विज्ञान से सम्बन्धित कार्यक्रमों के लिए अलग से भवन बनवाए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

15/04 महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अजमेर की तर्ज पर सेंटर फार इंटर्नशिप एवं स्माल बिजनेस मैनजमेंट स्थापित किए जाने पर विचार विमर्श।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अजमेर की तर्ज पर सेंटर फार इंटर्नशिप एवं स्माल बिजनेस मैनजमेंट स्थापित किए जाने सम्बन्धी कार्ययोजना का अवलोकन कर विचार विमर्श के दौरान सदस्यगणों का मत था कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में इस सेंटर को स्थापित करने की सैद्वान्तिक स्वीकृति प्रदान कर दी जाए, लेकिन इसे स्थापित करने पर व्यय अत्याधिक होगा , विश्वविद्यालय के स्वंय के सीमित आयस्रोतों को ध्यान में रखते हुए इसे वहन किया जाना कठिन होगा , सदन में उक्त चर्चा उपरांत निर्णय किया गया कि कार्ययोजना के अनुसार होने वाले व्यय के लिए अनुदान स्वीकृति हेतु राज्य सरकार से अनुरोध किया जाए।

15/05 राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की तर्ज पर e-governance के अंतर्गत कार्य व्यवस्था अपनाने बाबत्।

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की तर्ज पर e-governance की तर्ज पर विश्वविद्यालय में e-governance के सम्बन्ध में विचार विमर्श के दौरान सदन को बैठक के दौरान कंप्युंटर के माध्यम से प्रेंजेंटेशन प्रस्तुत कर अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों की प्रवेश की संपूर्ण प्रक्रिया, परीक्षा आवेदन पत्र भरना,एडमिशन कार्ड, परीक्षा परिणाम, समस्त प्रकार के शुल्क एवं कार्मिकों के पी0एफ0 आदि कार्य ऑनलाइन ही किया जा रहा है। सदस्यगणों द्वारा ऑनलाइन कार्य पर संतोष प्रकट करते हुए कहा गया कि विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास सराहनीय है, किंतु इन्हें भविष्य की आवश्याकतानुसार अपडेट करने के साथ साथ जो कार्य ऑनलाइन होने से रह गए है उन्हें भी ऑनलाइन किए जाने की दिशा में कार्य करना चाहिए, अध्यक्ष महोदय द्वारा सदन को आश्वस्त किया कि इस दिशा में निरंतर प्रगति की जाती रहेगी।

15/06 अनाथ विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने बाबत् प्रस्ताव।

माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय के निर्देश की पालना में अनाथ विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा प्रदान किए जाने के विद्या परिषद के निर्णय से सदन द्वारा सहमति प्रकट की गई ।

15/07 किसी एक महान पुरूष के नाम से पीठ स्थापित करने का प्रस्ताव।

माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय के पत्र की पालना में विद्या परिषद द्वारा कृष्ण भक्ति शाखा की हिंदी की महान कवयित्री मीराबाई के नाम से विश्वविद्यालय में शोध पीठ स्थापित करने के निर्णय की पुष्टि करते हुए इससे पड़ने वाले वित्तिय भार को वहन करने हेतु राज्य सरकार से अनुरोध किए जाने के विद्या परिषद के प्रस्ताव से सहमति प्रकट की गई।

15/08 छात्रों की सुविधा हेतु परिसर को कार्यालय समय में वाई–फाई सुविधायुक्त बनाए जाने के प्रस्ताव पर विचार विमर्श ।

विश्वविद्यालय के सीमित आय के स्रोतों को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण परिसर को वाई–फाई सुविधायुक्त बनाने के स्थान पर छात्रों के आवागमन वाले स्थानों को चिन्हित करने के लिए समिति गठित कर चयनित स्थानों को ही वाई–फाई सुविधायुक्त किए जाने का निर्णय किया गया।

15/09 क्षेत्रीय केन्द्र अजमेर के लिए स्वंय के भवन की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव।

क्षेत्रीय केन्द्र अजमेर कार्यालय के लिए विश्वविद्यालय के स्वयं के भवन /भूमि तलाशनें एवं इस सम्बन्ध में अजमेर के स्थानीय प्रशासन से संपर्क कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निदेशक, क्षेत्रीय केन्द्र अजमेर को अधिकृत किया गया।

15/10 आगामी वित्तिय वर्ष के लिए दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से विकास अनुदान प्राप्त करने के प्रस्तावों पर चर्चा।

प्रो0 एल0 आर0 गुर्जर द्वारा सदन को प्रस्तावों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई तथा सदन को बताया गया कि बिंदु संख्या एक (मानव संसाधन हेतु सहायता मद) में सहवन से 50.00 लाख रूपये अंकित करने से रह गए है, उक्त जानकारी के बाद सदन द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों में 50.00 लाख रूपये की राशि जोड़ते हुए कुल 990.00 लाख के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

15/11 पी. पी.पी. माडल पर आधारित अध्ययन केन्द्रों के सम्बन्ध में विचार विमर्श।

पी. पी.पी. माडल पर आधारित अध्ययन केन्द्रों की अवधि नहीं बढाए जाने के निर्णय की पुष्टि करते हुए मान्यता बोर्ड के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया।

15/12 मितव्यता के उद्देष्य से रिक्त पदों एवं भविष्य में रिक्त होने वाले पदों की उपयोगिता की समीक्षा कर कम आवश्यकता वाले पदो चिन्हित कर इनके स्थान पर राज्य सरकार से नवीन पदों का सृजन करवाने के सम्बन्ध में विचार विमर्श।

प्रस्ताव पर विचार विमर्श के दौरान प्रस्ताव की महत्वता को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने से पूर्व पदों की उपयोगिता के आधार पर कम उपयोगी पदों को चिन्हित करने हेतु निम्नलिखत समिति का गठन किए जाने का निर्णय किया गयाः–

1. प्रो0 एल0 आर0 गुर्जर
   निदेशक, संकाय–योजना एवं विकास,
   वमखुविवि,कोटा।

2. नियंत्रक(वित्त)
   वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा।

3. उप कुलसचिव (लेखा एवं वित्त)
   वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा।

तत्पश्चात् आसन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के बाद बैठक समाप्त घोषित की गई।

कुलसचिव
एवं सदस्य सचिव
(आयोजना मंडल)